1.

Dr. Umesh Kumar Rai
Dept. of History
M.A. (History), Session- 21-23
SEM-3

राजनीतिक दायित्व और क्रांति

उद्देश्य :-

1. राजनीतिक दायित्व एवं क्रांति की अवधारणा तथा उनके बीच अंतर्सम्बद्धता को स्पष्ट करना।
2. राजनीतिक दायित्व एवं क्रांति की अवधारणा को स्पष्ट करने हेतु विकसित विभिन्न सिद्धांत
3. राज्य प्राधिकार के लिहाज से राजनीतिक दायित्व और क्रांति के तर्कों एवं सीमाओं पर सूक्ष्म दृष्टि

प्रस्तावना :-

एक राजनीतिक-वैज्ञानिक का चिन्तनीय विषय प्राधिकार के अध्ययन मात्र तक ही सीमित नहीं होता, बल्कि उन लोगों द्वारा सत्ता के स्वीकार्य होने की समस्या से भी संबद्ध होता है, जिन पर वह प्रयोग की जाती है। इस इकाई में हम एक विधिसंगत राजनीतिक व्यवस्था और एक प्रबुद्ध नागरिकता के बीच संबंध पर विचार करते हैं जो राजनीतिक सूक्ष्म दृष्टि डालने का विचार करते हैं जो राजनीतिक दायित्व और क्रांति की अवधारणाओं को स्पष्ट कर सके।

राजनीतिक दायित्व और क्रांति : दो संपूरक (Complementary)

यह एक सुस्थापित तथ्य है कि लोग केवल एक विधिसंगत प्राधिकार का ही आज्ञापालन करते हैं, अन्यथा वे उसे उखाड़ फेंक सकते हैं। इस प्रकार सामने आता है कि क्रांति का प्रश्न, जो 1699 में हुई इंग्लैंड की गौरवपूर्ण क्रांति की भांति एक शांतिपूर्ण घटना भी हो सकता है और 1789 की फ्रांसीसी क्रांति की भांति एक हिंसक प्रदर्शन भी।

2.

क्रांति की व्याख्या संबंधी अध्ययन; इस प्रकार समसामयिक राजनीति-सिद्धांत के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण विषय बन गया है। इसका इसलिए है, क्योंकि राजनीति का वर्णन एक सत्ता संघर्ष के अध्ययन के रूप में किया जाता है, चाहे वह क्रांतिपूर्ण हो अथवा हिंसक साधनों से, जहाँ राजनीतिक दार्शनिक क्रांति महत्वपूर्ण अथवा विस्तार रखते हैं।

—

Dr. Umesh Kumar Rai
Dept. of History
SEM-3 (M.A.)
Session- 2021-2023
05-02-2024
Class-2.
S.B. College Ara
Mob/WP- 8809947478
email Id:
ukrai.88sarom@gmail.com